

देवघर में शिवबारात का नव्य आयोजन, गुरुव्यनंत्री हुए शामिल

भूत-प्रेतों के नृत्य से गूंजा देवघर, शिव बारात में दिखा अनोखा रंग



संबाददाता

देवघर ज्ञारखंड सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित महाशिवरात्रि महोत्सव इस बार ऐतिहासिक घटनाको के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में भगवान शिव के 12 ज्योतिलिंगों की जीवत ज्ञानी, आकर्षक झेंग शो, लेज शो और नाचते-गाते भूत-प्रेतों के अनेकों

कारनां ने श्रद्धालुओं का ध्यान खीचा।

देवघर संताल एक्सप्रेस। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर बाबा नगरी देवघर में बाबा भोलेनाथ के चरणों पर शीश नवकर आप सभी का अधिनन्दन करता है। आज यहाँ शिव बारात में समिलित होने का मुझे भी अवसर मिला है। यहाँ हम एक ऐसे समूह के साथ खड़े हैं, जिसमें इनमां का साथ जीव-जूत भी समिल है। यह शिव बारात मात्र नहीं है। ऐसे महोत्सव इनमीं लोगों का उत्तर होता है विद्युत द्वारा होता है और कहीं ना कहीं दुनिया इसी की बदलत चल रही है। मुख्यमंत्री महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर बाबा नगरी देवघर के कपाएँ-टीके-टेड़ीयों में आयोजित शिव बारात महोत्सव को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। इस अवसर पर उत्तरी वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भव्य एवं आकर्षक ज्ञानियों के साथ शिव बारात को रखना किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए उमंग, उत्साह, खुशी, श्रद्धा, भक्ति एवं आस्था का दिन है। महाशिवरात्रि का महावार सदियों से मनाते आ रहे हैं और आगे भी यह अनवरत जारी रहेगा। बाबा नगरी देवघर के लिए यह महापर्व बिशेष है।

यहाँ महाशिवरात्रि के पर्व के साथ निरंतर नया अद्याय जुड़ता जा रहा है। आप सभी के सदियोंगे से यह कार्यक्रम भव्य रूप ले रहा है। आप सभी के सदियोंगे से यह कार्यक्रम भव्य रूप ले रहा है।

आज यह महोत्सव निरंतर बड़ा आयाम लेने की तैयारी में आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देवघर की पावन धरती असीम आस्था का केंद्र है। श्रावणी भेले के दीर्घ देश- दुनिया से लाखों श्रद्धालु बाबा के दर्शन के लिए आते हैं।



आस्था का यह केंद्र और मजबूती के साथ आगे बढ़े, सभी का सहयोग जरूरी : हेमंत

देवघर संताल एक्सप्रेस। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर बाबा नगरी देवघर में बाबा भोलेनाथ के चरणों पर शीश नवकर आप सभी का अधिनन्दन करता है। आज यहाँ शिव बारात में समिलित होने का मुझे भी अवसर मिला है। यहाँ हम एक ऐसे समूह के साथ खड़े हैं, जिसमें इनमां का साथ जीव-जूत भी समिल है। यह शिव बारात मात्र नहीं है।

ऐसे महोत्सव इनमीं लोगों का उत्तर होता है और कहीं ना कहीं दुनिया इसी की बदलत चल रही है।

मुख्यमंत्री महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर बाबा नगरी देवघर के कपाएँ-टीके-टेड़ीयों में आयोजित शिव बारात महोत्सव को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। इस अवसर पर उत्तरी वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भव्य एवं आकर्षक ज्ञानियों के साथ शिव बारात को

रखना किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए उमंग, उत्साह, खुशी, श्रद्धा, भक्ति एवं आस्था का दिन है। महाशिवरात्रि का महावार सदियों से मनाते आ रहे हैं और आगे भी यह अनवरत जारी रहेगा। बाबा नगरी देवघर के लिए यह महापर्व बिशेष है।

यहाँ महाशिवरात्रि के पर्व के साथ निरंतर नया अद्याय जुड़ता जा रहा है। आप सभी के सदियोंगे से यह कार्यक्रम भव्य रूप ले रहा है।

आज यह महोत्सव निरंतर बड़ा आयाम लेने की तैयारी में आगे बढ़ रहा है।

श्रावणी भेले के दीर्घ देश- दुनिया से लाखों श्रद्धालु बाबा के दर्शन के लिए आते हैं।



महाशिवरात्रि पर बासुकीनाथ में उमड़ा शिव भक्तों का सैलाब



जरमुडी। बाबा बासुकीनाथ भोलेनाथ की पावन नगरी में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर बृहदेवर को भासुकीनाथ में देश शाम तक करेब 1.30 लाख श्रद्धालुओं ने भलेनाथ को जलापिकेक किया। इस दौरान बासुकीनाथ के हर गली पर बाबा बासुकीनाथ भौमिंदर और मुख्य बाजार का बालानर ब्रदालुओं की भौमि से खचाखच भरा हुआ था। महाशिवरात्रि के अवसर पर बाबा बासुकीनाथ भौमिंदर और मुख्य बाजार का बालानर ब्रदालु मय था। चूहाऊर बाबा के जयवेष्य पूज रहे थे। महाशिवरात्रि के पर बृहदेवर को भासुकीनाथ की सुबह भौमिंदर प्रभागे कुमान भगत, जरमुडी पर्सीयों आ अमित कच्छप, जरमुडी थाना प्रभागे श्यामनंद मंदिर के नेतृत्व में गर्भामूर्ति पूजा के द्वारा बने संभव दो बजे खोले गए। भोलेनाथ की प्रातः कालीन भौमि द्वारा उपहारित पूजा के द्वारा बने संभव पक्षत विलापन के कारण बासुकीनाथ भौमिंदर के कपाएँ आम श्रद्धालुओं के लिए खोले दिया। अबले सुबह से जिलापिकेक का दौर जो प्रारंभ हुआ, वह देर शाम तक अनवरत एक समान जारी रहा।

दोषी ठहराए जाने वाले राजनेताओं पर आजीवन प्रतिबंध की मांग वाली याचिका का विरोध

अपराधी नेताओं के बारे में फैसला

करेगी संसद : केंद्र सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आपाधिक मामलों में दोषी ठहराए जाने वाले राजनेताओं पर आजीवन प्रतिबंध की मांग वाली याचिका का अधिकार लिया। आपाधिक घटनाएँ जो आपाधिक भूत्याकृति के रूप में दर्शाएँ जाती हैं, उन्हें अपराधी के रूप में दर्शाएँ जाना चाहिए। आपाधिक घटनाएँ जो आपाधिक भूत्याकृति के रूप में दर्शाएँ जाती हैं, उन्हें अपराधी के रूप में दर्शाएँ जाना चाहिए।



बाबाने का निर्देश देने के समान परी तरह से दर्शक के रूप में दर्शाएँ जाना चाहिए। आपाधिक घटनाएँ जो आपाधिक भूत्याकृति के रूप में दर्शाएँ जाती हैं, उन्हें अपराधी के रूप में दर्शाएँ जाना चाहिए।

यहाँ आपाधिक घटनाएँ जो आपाधिक भूत्याकृति के रूप में दर्शाएँ जाती हैं, उन्हें अपराधी के रूप में दर्शाएँ जाना चाहिए। आपाधिक घटनाएँ जो आपाधिक भूत्याकृति के रूप में दर्शाएँ जाती हैं, उन्हें अपराधी के रूप में दर्शाएँ जाना चाहिए।

यहाँ आपाधिक घटनाएँ जो आपाधिक भूत्याकृति के रूप में दर्शाएँ जाती हैं, उन्हें अपराधी के रूप में दर्शाएँ जाना चाहिए।

यहाँ आपाधिक घटनाएँ जो आपाधिक भूत्याकृति के रूप में दर्शाएँ जाती हैं, उन्हें अपराधी के रूप में दर्शाएँ जाना चाहिए।

यहाँ आपाधिक घटनाएँ जो आपाधिक भूत्याकृति के रूप में दर्शाएँ जाती हैं, उन्हें अपराधी के रूप में दर्शाएँ जाना चाहिए।

यहाँ आपाधिक घटनाएँ जो आपाधिक भूत्याकृति के रूप में दर्शाएँ जाती हैं, उन्हें अपराधी के रूप में दर्शाएँ जाना चाहिए।

यहाँ आपाधिक घटनाएँ जो आपाधिक भूत्याकृति के रूप में दर्शाएँ जाती हैं, उन्हें अपराधी के रूप में दर्शाएँ जाना चाहिए।

यहाँ आपाधिक घटनाएँ जो आपाधिक भूत्याकृति के रूप में दर्शाएँ जाती हैं, उन्हें अपराधी के रूप में दर्शाएँ जाना चाहिए।

यहाँ आपाधिक घटनाएँ जो आपाधिक भूत्याकृति के रूप में दर्शाएँ जाती हैं, उन्हें अपराधी के रूप में दर्शाएँ जाना चाहिए।

यहाँ आपाधिक घटनाएँ जो आपाधिक भूत्याकृति के रूप में दर्शाएँ जाती हैं, उन्हें अपराधी के रूप में दर्शाएँ जाना चाहिए।

यहाँ आपाधिक घटनाएँ जो आपाधिक भूत्य

